दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 12 मई 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 220

अंतर्राष्ट्रीय

श्रीलंका में दर्दनाक सडक़ हादसा, खाई में गिरी बस, 21 लोगों की मौत, 30 से अधिक घायल

कोलंबो । श्रीलंका के सेंट्रल प्रोविंस प्रांत के कोटमाले क्षेत्र में रविवार को एक भीषण सडक़ हादसा हुआ है। एक यात्री बस के गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने इस दुर्घटना की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा उस समय हुआ जब राज्य परिवहन निकाय के स्वामित्व वाली बस एक पहाड़ी रास्ते पर बाएं मुड़ने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। दुर्घटना के बाद तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस और बचाव दल ने कई लोगों को खाई से निकालकर नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि बस में कुल 75 यात्री सवार थे। यह बस दक्षिणी तीर्थस्थल कटारगामा से उत्तर-पश्चिमी शहर कुरुनेगाला की ओर जा रही थी। हादसे के पीछे की सटीक वजह का अभी पता नहीं चल पाया है, और पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। श्रीलंका के परिवहन एवं राजमार्ग उपमंत्री प्रसन्ना गुनासेना ने दुर्घटना में 21 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि 30 से अधिक घायल यात्रियों को उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

केंद्रीय जेल पर ड्रोन हमला, 19 कैदियों की मौत; 45 से अधिक घायल

खार्तूम । सूडान के पश्चिमी हिस्से नॉर्थ कोर्दोफान राज्य के एल ओबैद शहर में स्थित केंद्रीय जेल पर शनिवार को ड्रोन हमले हुए। इसमें कम से कम 19 कैदियों की मौत हो गई और 45 से अधिक घायल हो गए। यह जानकारी एक चिकित्सा सूत्र और चश्मदीदों ने दी। एल ओबैद अस्पताल के एक चिकित्सा सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अस्पताल में 19 शव और 45 घायल लाए गए हैं। उसने कहा कि मृतकों की संख्या बढऩे की आशंका है। जेल भवन के पास मौजूद एक चश्मदीद ने बताया, तीन ड्रोन ने पांच मिसाइलें दागीं, जिनमें से तीन सीधे जेल भवन और कैदियों के रहने वाले हिस्से पर गिरीं। एक अन्य चश्मदीद ने कहा, जेल के अंदर राहत और बचाव कार्य अब भी जारी है और मृतकों और घायलों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से अधिक हो सकती है। अब तक इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने हाल ही में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों और प्रमुख सुविधाओं पर ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं, जिनमें एल ओबैद भी शामिल है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, आरएसएफ ने पोर्ट सूडान पर सातवें दिन भी ड्रोन हमला जारी रखा। यह शहर मई 2023 से देश की प्रशासनिक राजधानी बन चुका है। हालांकि, आरएसएफ ने इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गौरतलब है कि अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है, जिसमें अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं। सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, इस संघर्ष के चलते अब तक 1.5 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं।

चीन के चेहरे से हटा पर्दा, बोला- हम पाकिस्तान के साथ

बीजिंग । पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी नापाक हरकत को अंजाम दिया है. सीजफायर के कुछ घंटों बाद ही उसने इस समझौते का घोर उल्लंघन किया. इन सबके बीच एक और बड़ी खबर सामने आई है. दरअसल भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच चीन का असली चेहरा भी सामने आ गया है. चीन ने इन हालातों में पाकिस्तान का समर्थन किया है. भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे हालिया तनाव के दौरान चीन ने एक बार फिर अपने पुराने रुख को दोहराते हुए पाकिस्तान का खुला समर्थन किया है. चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से टेलीफोन पर बातचीत में यह साफ कर दिया कि चीन, पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा. इस बयान से एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि दक्षिण एशिया में चीन की विदेश नीति किस दिशा में अग्रसर हैं. चीन के विदेश कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, वांग यी ने पाकिस्तान की राष्ट्रीय स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन की बात की.

जीत ऐसी ही दिखती है', रावलपिंडी से लेकर जैकोबाबाद तक भारत ने ग्यारह एयरबेस '90 मिनट' में किए तबाह

नई दिल्ली । आरएनएस

ऑपरेशन सिंदूर' को सफलता के नए सोपान तक पहुंचाने का काम भारतीय सेना के संयुक्त प्रयास से संभव हुआ। एक दो नहीं बल्कि पाकिस्तान की सरजमीं पर मौजूद 11 एयरबेस को महज 90 मिनट में तबाह-ओ-बर्बाद कर दिया गया। ये सब कुछ बेहद सोची समझी रणनीति का हिस्सा था। भारत की दहाड़ दुनिया ने सुनी। बड़ी सहजता, बुद्धिमता और चपलता से सेना ने जो किया उसे भाजपा ने सैल्यूट किया है।

भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने 90 मिनट में पाकिस्तानी एयरफोर्स की कमर तोड़ कर रख दी। एक्स पोस्ट पर भारतीय सेना को सलाम करते हुए मालवीय ने सिलसिलेवार तरीके से एयरबेस तबाही की कहानी बयां की है।

पोस्ट में लिखा है- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने प्रमुख पाकिस्तानी एयरबेस पर 90 मिनट तक टारगेट अटैक किया। इन हमलों ने पाकिस्तान की श्रेष्ठता के दावे को मटियामेट कर दिया। इन सटीक हमलों ने पाकिस्तान की हवाई श्रेष्ठता बनाए रखने, राष्ट्रीय सुरक्षा का समन्वय करने और किसी भी सटीक जवाबी कार्रवाई को अंजाम देने की क्षमता को नष्ट कर दिया। प्रत्येक बेस ने एक महत्वपूर्ण कार्य किया, और इसके विनाश ने पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को रणनीतिक और मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंचाई।

इस हमले में नूर खान/चकलाला एयरबेस (रावलपिंडी), पीएएफ बेस रफीकी (शोरकोट), मुरीद एयरबेस (पंजाब), सुक्कुर एयरबेस (सिंध), सियालकोट एयरबेस (पूर्वी पंजाब), पसरूर एयरस्ट्रिप (पंजाब), चुनियन (रडार/सहायता स्थापना), सरगोधा एयरबेस (मुशफ बेस), स्कार्दू एयरबेस (गिलगित-बाल्टिस्तान), भोलारी एयरबेस (कराची के पास) और जैकोबाबाद एयरबेस (सिंध-बलूचिस्तान) को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया।

पोस्ट में इन 11 स्थानों की अहमियत और पाकिस्तान को पहुंचे बड़े नुकसान का जिक्र है। नूर खान/चकलाला एयरबेस (रावलपिंडी)- नूर खान पर भारत के हमले ने पाकिस्तान के हवाई रसद और उच्च-स्तरीय सैन्य समन्वय के केंद्र को बाधित कर दिया। ये इस्लामाबाद का सबसे नजदीकी बेस था, जिसका उपयोग अक्सर वीआईपी मूवमेंट और सैन्य रसद के लिए किया जाता है, इसके निष्प्रभावी होने से संघर्ष के दौरान पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) और इसकी ऑपरेशनल यूनिट्स के बीच महत्वपूर्ण संबंध टूट गए।

पीएएफ बेस रफीकी (शोरकोट)- रफीकी, प्रमुख लड़ाकू विमानों का बेस है, जो फ्रंटलाइन लड़ाकू स्क्वाड्रनों को होस्ट करता था, इसे भी हमारी सेना ने निष्क्रिय कर दिया। इसका असर ये पड़ा कि अपने विमान आश्रयों और रनवे के बुनियादी ढांचे के विनाश ने पाकिस्तान की जवाबी हवाई कार्रवाई शुरू करने की क्षमता को काफी कमजोर कर दिया, खासकर मध्य पंजाब में उसके हमलों को कुंद कर दिया। इस कदम ने प्रभावी रूप से पीएएफ के सबसे तेज आक्रामक उपकरणों में से एक को मिटा दिया।

मुरीद एयरबेस (पंजाब)- मुरीद को निशाना बनाकर, भारत ने एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण और संभावित मिसाइल भंडारण केंद्र को नुकसान पहुंचाया। इस हमले ने पाकिस्तान के वायु सेना की तत्परता को कम कर दिया। इसका नुकसान आने वाले कई साल तक झेलेगा। भारत ने पायलट प्रशिक्षण पाइपलाइन को ही काट दिया।

सुक्कुर एयरबेस (सिंध)- सुक्कुर एयरबेस को नष्ट करने से पाकिस्तान का दक्षिणी हवाई गलियारा कट गया। सुक्कुर सिंध और बलूचिस्तान में सेना और उपकरणों की आवाजाही के लिए आवश्यक था। इसके नुकसान ने प्रमुख रसद धमनियों को काट दिया और दक्षिण में पाकिस्तान की परिचालन सीमा को कम कर दिया। सियालकोट एयरबेस (पूर्वी पंजाब)- भारतीय सीमा के करीब स्थित सियालकोट को संघर्ष के आरंभ में ही बेअसर कर दिया गया था। यह बेस जम्मू और पंजाब की ओर उड़ान भरने के लिए एक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग प्लेटफॉर्म (अग्रिम परिचालन मंच) के रूप में काम करता था। इसके नष्ट होने से पूर्वी सीमा पर एक महत्वपूर्ण ब्लाइंड स्पॉट बन गया, जिससे पाकिस्तानी जमीनी सेना को भारतीय हवाई प्रभुत्व के लिए चुनौती नहीं मिल सकी।

पसरूर एयरस्ट्रिप (पंजाब)- ये छोटा ही है लेकिन पसरूर फैसिलिटी आपातकालीन विमान संचालन में अहम भूमिका निभाता है। इसे नष्ट करके, भारत ने पाकिस्तान की सामरिक स्थिति को कमजोर कर दिया और विमानों को अधिक संवेदनशील स्थानों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया।

चुनियन (रडार/सहायता स्थापना)- चुनियन पर हमलों ने मध्य पंजाब के हवाई क्षेत्र की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण रडार कवरेज और संचार बुनियादी ढांचे को बाधित कर दिया। इससे पाकिस्तान की प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में एक अंतर पैदा हो गया, जिससे भारतीय विमानों को कम जोखिम के साथ प्रवेश करने में मदद मिली।

जम्मू-कश्मीर : मेंढर में सीजफायर के बाद लोगों को राहत, जनजीवन पटरी पर

पुंछ । आरएनएस

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और सीमा पर गोलाबारी के बाद दोनों देशों सीजफायर पर सहमत हो गए है। इस फैसले ने जम्मू-कश्मीर के मेंढर क्षेत्र में शांति की उम्मीद जगाई है। सीमा पर गोलाबारी के कारण डर और अनिश्चितता के साये में जी रहे स्थानीय लोग अब राहत की सांस ले रहे हैं। बाजारों में रौनक लौटने लगी है और दुकानें फिर से खुल रही हैं। लोग भी बाजारों में जाने लगे हैं।

स्थानीय निवासियों ने इस सीजफायर का स्वागत करते हुए इसे दोनों देशों द्वारा उठाया गया उचित कदम बताया है। मेंढर के निवासी शाहनवाज खान ने कहा, हम इस सीजफायर का स्वागत करते हैं। दोनों मुल्कों ने बहुत अच्छा फैसला लिया है। गोलाबारी से नागरिकों और प्रशासन को भारी नुकसान हुआ था। अब यह शांति बरकरार रहनी चाहिए। हम सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग हैं, अपने घर छोडक़र कहीं जा नहीं सकते।

पिछले कुछ वर्षों में सीमा पर बार-बार होने वाली गोलाबारी ने मेंढर के लोगों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया था। कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, मकान और दुकानें तबाह हुईं, और व्यापार ठप हो गया था। व्यापारी कफील खान ने बताया, पहले डर के माहौल में लोग घरों से बाहर नहीं निकलते थे। कुछ लोग सुरक्षित स्थानों पर चले गए थे। लेकिन अब बाजार में चहल-पहल शुरू हो गई है। पांच दिन बाद बाजार का माहौल सामान्य होने लगा है। हम चाहते हैं कि यह अमन बरकरार रहे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गोलाबारी के कारण न केवल जान-माल का नुकसान हुआ, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और युवाओं के रोजगार पर भी बुरा असर पड़ा।

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद अभियान तेज, स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़; 20 जगहों पर हुई छापेमारी

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान तेज हो गया है। इसी कड़ी में राज्य जांच एजेंसी (स्ढ़ढ़) पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दक्षिणी कश्मीर के 20 स्थानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी कर एक बड़े आतंकी स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है, साथ ही कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है।

राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी सहयोगियों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स पर लगातार नजर रख रही है। तकनीकी खुफिया जानकारी से पता चला था कि कश्मीर में कई स्लीपर सेल सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के संपर्क में थे। ये सेल सुरक्षा बलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील और रणनीतिक जानकारी को व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग ऐप के जरिए पाकिस्तान पहुंचाने में शामिल थे।

एसआईए ने बताया कि ये आतंकी सहयोगी लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी कमांडरों के इशारे पर ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार में भी लिप्त थे, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता को गंभीर खतरा पैदा हो रहा था।

एसआईए ने पुष्टि की कि दक्षिणी कश्मीर के सभी जिलों में लगभग 20 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है और कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये संगठन आतंकवादी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल हैं और भारत विरोधी गतिविधियों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इनका मकसद न केवल भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देना है, बल्कि असंतोष, सार्वजनिक अव्यवस्था और सांप्रदायिक घृणा को भडक़ाना भी है। सुरक्षा एजेंसियां इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने के लिए आगे की जांच कर रही हैं।

सड़क पर दौड़ाते रहे कार, नोचते रहे शरीर, विरोध करने पर सहेली को फेंका बाहर; मौत

बुलंदशहर । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से मानवता को शर्मसार कर देने वाला एक जघन्य अपराध सामने आया है। मेरठ नेशनल हाईवे पर चलती कार में तीन आरोपियों ने एक नाबालिग युवती के साथ गैंगरेप किया, जबकि विरोध करने पर उसकी सहेली को चलती कार से बाहर फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 6 मई की है। आरोपियों ने दो सहेलियों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर अगवा कर लिया था। इसके बाद, बुलंदशहर में मेरठ नेशनल हाईवे पर चलती कार में एक नाबालिग युवती के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया।

बताया गया है कि जब दूसरी युवती ने इस घटना का विरोध किया और आरोपियों को थप्पड़ मारा, तो उन्होंने उसे चलती कार से लात मारकर नीचे फेंक दिया। पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने युवती को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती तौर पर जानी पुलिस ने सडक़ पर पड़े युवती के शव को एक सामान्य सडक़ हादसा माना और उसे मोर्चरी में रखवा दिया था, बिना उसकी पहचान सुनिश्चित करने का प्रयास किए।

बाद में खुलासा हुआ कि मृतका बिहार की रहने वाली थी और गौतमबुद्ध नगर के सूरजपुर क्षेत्र में रहती थी, जहां वह एक होटल में काम करती थी। वहीं, जिस नाबालिग पीडि़ता के साथ गैंगरेप हुआ, उसने खुर्जा में कार से कूदकर अपनी जान बचाई। पीडि़ता ने इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी और पूरी आपबीती सुनाई।

पीडि़ता, जो प्रतापगढ़ जिले के चिलबिला की निवासी है और गौतमबुद्ध नगर के सूरजपुर क्षेत्र में रहती है, ने पुलिस को बताया कि 6 मई को उसके परिचित अमित नामक युवक ने उसे नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। अमित ने उसे अपनी सहेली के साथ बताई गई जगह पर पहुंचने को कहा। वहां अमित अपने दोस्त संदीप के साथ मौजूद था। अमित ने दोनों लड़कियों को कार में बैठा लिया और देर रात एक और साथी को भी कार में साथ ले लिया। पीडि़ता ने आरोप लगाया कि कार में आरोपियों ने उन्हें जबरदस्ती शराब पिलाई, मारपीट की और उसके साथ गैंगरेप किया। जब उसकी सहेली ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उसे लात मारकर चलती कार से नीचे फेंक दिया।

पीडि़ता ने बताया कि वह खुर्जा में किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर भाग निकली। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपियों के खिलाफ खुर्जा कोतवाली में अपहरण, हत्या और गैंगरेप की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। मृतका का पोस्टमार्टम भी कराया गया है, जिसमें उसके चेहरे, माथे, हाथ और पैर पर चोटों के 12 निशान मिले हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मुंबई पुलिस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादित पोस्ट करने वाले युवक को किया गिरफ्तार

मुंबई । आरएनएस

सिंदूर को लेकर विवादित पोस्ट करने वाले लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस की कार्रवाई जारी है। महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के बाद ऐसे ही एक मामले में 20 वर्षीय युवक को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मुंबई पुलिस के मुताबिक, मुंबई के कुर्ला इलाके में रहने वाले 20 वर्षीय एक युवक ने ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित टिप्पणी की थी।

आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें भारत के खिलाफ टिप्पणी की गई थी।

मुंबई पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम साहिल जहरुद्दीन खान है।

मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इससे पहले, मुंबई पुलिस ने ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने पर एक महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

मुंबई पुलिस के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने पर मुंबई के मालवणी पुलिस स्टेशन ने एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मालवणी पुलिस ने महिला सलमा रफीक खान (उम्र 40) के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उसे नोटिस भी भेजा है।

मानसून 2025 : इस बार जल्दी एंट्री कर सकता है मॉनसून, आईएमडी ने किया अलर्ट

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत में मानसून न केवल मौसम से जुड़ा एक महत्वपूर्ण तत्व है, बल्कि यह कृषि, जल प्रबंधन और आर्थिक स्थिरता का भी मुख्य आधार है. 2025 में भारतीय मौसम विभाग (ढ़ढ़रूष्ठ) ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है कि इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून तय समय से चार दिन पहले, यानी 27 मई को केरल तट पर दस्तक दे सकता है. आमतौर पर मॉनसून 1 जून को केरल में प्रवेश करता है, इसलिए यह बदलाव मौसम वैज्ञानिकों और किसानों दोनों के लिए खास मायने रखता है.

समय से पहले कितनी बार आया मॉनसून?

अगर यह पूर्वानुमान सटीक साबित होता है, तो यह 16 वर्षों में पहली बार होगा जब मानसून इतनी जल्दी भारत में प्रवेश करेगा. इससे पहले 2009 में 23 मई और 2018 में 29 मई को मानसून जल्दी आया था. 2024 में भी यह अपेक्षाकृत जल्दी, यानी 30 मई को केरल पहुंचा था.

हालांकि मौसम विभाग के विशेषज्ञों ने यह भी स्पष्ट किया है कि मानसून की जल्दी या देर से शुरुआत का सीधा संबंध देश भर में होने वाली कुल बारिश से नहीं होता. यह संभव है कि केरल में मानसून जल्दी आए, लेकिन उत्तर भारत तक पहुंचने में अपेक्षित समय ही ले.

क्या हो सकता है इस बार बारिश का पैटर्न?

अर्थ एंड साइंस मंत्रालय के सचिव एम. रविचंद्रन की मानें तो इस वर्ष मॉनसून के दौरान सामान्य से ज्यादा वर्षा की संभावना है. अनुमान है कि जून से सितंबर के बीच देश में 87 सेंटीमीटर औसत बारिश हो सकती है, जो कि 105 फीसदी के स्तर पर रहेगी. यह आंकड़ा सामान्य से अधिक बारिश की श्रेणी में आता है.

मौसम विभाग के हिसाब से क्या है बारिश का पैमाना

- 96-104 फीसदी = सामान्य वर्षा
- 104-110 फीसदी = सामान्य से अधिक वर्षा
- 110 फीसदी से अधिक = अत्यधिक वर्षा
- 90-95 फीसदी = सामान्य से कम
- 90 फीसदी से कम = अत्यधिक कम वर्षा

13 मई तक अंडमान-निकोबार में मॉनसून की एंट्री

मौसम विभाग ने पहले ही संकेत दे दिया था कि 13 मई तक मानसून अंडमान-निकोबार और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में पहुंच सकता है. यह मानसून की औपचारिक शुरुआत नहीं मानी जाती, क्योंकि भारत में मानसून के आगमन की आधिकारिक घोषणा केवल केरल में उसके प्रवेश के साथ होती है.

पूर्वानुमान की सटीकता: क्या कहता है पिछला अनुभव?

पिछले 5 वर्षों में आईएमडी और निजी एजेंसी स्काईमेट की ओर से किए गए मॉनसून पूर्वानुमान काफ़ी हद तक सटीक रहे हैं.

- 2024: 108 फीसदी बारिश
- 2023: 94 फीसदी बारिश
- 2022: 106 फीसदी बारिश